इन्टरव्यू २४

प्रः आपका नाम क्या है ?
जः मेरा नाम नजीर अहमद है।

प्रः आपकी उम्र कितनी है ?
जः मेरी उम्र 23 साल के करीब है।

प्रः ये बुनकारी के काम में आप बुनने का ही काम करते हैं या कुछ और ?
जः बुनने का।

प्रः अपने करघे पर ?
जः हां अपने करघे पर।

प्र: आपके घर में और लोग भी बुनाई का ही काम करते हैं ?
ज: हां।

प्र: कितने लोग हैं, जो बुनाई का काम करते हैं ?
ज: तीन चार लोग।

प्र: तीन या चार ?
ज: चार हैं।

प्र: वैसे आप भाई कितने हैं ?
ज: छः भाई हैं।

प्र: दो लोग नहीं करते हैं बुनाई का काम ?
ज: नहीं।

प्र: वो लोग क्या कुछ और काम करते हैं ?
ज: नहीं उसी में रंगना बनाना।

प्र: अच्छा ये बड़े भाई तो एक्सपोर्ट का काम करते हैं ?
ज: नहीं।

प्र: आप करघे पर करते हैं बुनाई ? तो एक महीने में एक करघे से कितना हो जाती है आमदनी ?
ज: इस समय तो कुछ नहीं है। वैसे बहुत हुआ तो 1000 रुपया ज्यादा से ज्यादा।

प्र: और सर्दी के टाइम में तो और कम ?
ज: उसमें तो कुछ नहीं, बैठ के खा रहे हैं, एकदम बंद है।

प्र: तो बुनने में दिक्कत आतद है, या रेशम सुखाने या सब में दिक्कत आती है ?
ज: बीनने में भी और रेशम भी सुखाने में।

प्र: तो आप से बुनकारी वाला पेशा करना चाहते हैं आगे या किसी और में जाना चाहते हैं ?
ज: हम तो किसी और में जाना चाहते हैं।

प्र: किसमें पावरलूम में या बुनकारी से एकदम अलग ?
ज: पावरलूम में भी वहीं हैं, उसमें भी परेशानियां हैं, दूसरा काम होता तो ठीक हैं।